DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

8 September, 2023

डार्क पैटर्न (Dark Patterns)

संदर्भ: भारत सरकार के उपभोक्ता मामले विभाग ने डार्क पैटर्न की रोकथाम और विनियमन के लिए मसौदा दिशानिर्देशों पर सार्वजनिक प्रतिक्रिया की मांग की है।

- "डार्क पैटर्न" पर हितधारकों का परामर्श 13 जून, 2023 को आयोजित किया गया था, जहां सर्वसम्मति से सहमति व्यक्त की गई थी, कि डार्क पैटर्न एक गंभीर विषय है जिसे सार्वभौमिक रूप से संबोधित करने की आवश्यकता है।
- सरकार ने ई-कॉमर्स कंपनियों और उद्योग संघों को लिखे एक पत्र में उनसे अपने ऑनलाइन इंटरफेस में डार्क पैटर्न के रूप में चिन्हित भ्रामक डिजाइन पैटर्न को शामिल करने से बचने का आग्रह किया है।
- इस सन्दर्भ में एक टास्क फोर्स की स्थापना की गई, जिसमें Google, Flipkart, Amazon, Facebook और अन्य विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधि शामिल थे, जिन्होंने मसौदा नीति के लिए इनपुट प्रदान करने हेतु कई बैठकें कीं।
- डार्क पैटर्न की रोकथाम और विनियमन के लिए वर्तमान मसौदा दिशानिर्देश टास्क फोर्स की सिफारिशों पर आधारित हैं और उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 के तहत जारी किए जाएंगे।

डार्क पैटर्न क्या हैं?

- डार्क पैटर्न किसी भी ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म पर यूआई/यूएक्स इंटरैक्शन में भ्रामक डिज़ाइन प्रथाओं को संरेखित करता है।
- इन्हें उपयोगकर्ताओं को भ्रमित करने या ऐसे कार्य करने हेतु गुमराह करने के इरादे से डिज़ाइन किया गया है जिसके प्रति उनकी कोई इच्छा नहीं थी।
- डार्क पैटर्न; ऑनलाइन उपभोक्ता की स्वायत्तता, निर्णयन क्षमता या उनके पसंद को नजरअंदाज करके प्राप्त किया जाता है।
- इन प्रथाओं के कारण ऐसे कार्य हो सकते हैं जो भ्रामक विज्ञापनों, अनुचित व्यापार प्रथाओं या उपभोक्ता अधिकारों के उल्लंघन से मिलते-जुलते हैं।

सरकार के दिशानिर्देशों के तहत, निम्नलिखित डार्क पैटर्न निर्दिष्ट किए गए हैं:

- **झूठी तात्कालिकता**: तत्काल खरीदारी करने या कार्रवाई करने की गलत समझ के साथ उपयोगकर्ताओं को गुमराह करना।
- **बास्केट स्नेकिंग (Basket Sneaking)**: उपयोगकर्ता की सहमति के बिना चेकआउट के समय अतिरिक्त आइटम जोड़ने से कुल देय राशि बढ़ जाती है।
- **भय आदि अपराध बोध**: उपयोगकर्ताओं को उत्पाद खरीदने या सदस्यता जारी रखने के लिए प्रेरित करने के लिए भय, शर्म, उपहास या अपराध बोध का उपयोग करना।
- **जबरन कार्रवाई**: उपयोगकर्ताओं को उनके इच्छित उत्पाद/सेवा तक पहुंचने के लिए जबरन कार्रवाई करने या अतिरिक्त सामान या सेवाएं खरीदने के लिए मजबूर करना।
- **सदस्यता जाल**: सशुल्क सदस्यता रद्द करने के लिए कठिन या जटिल प्रक्रिया बनाना।
- **इंटरफ़ेस हस्तक्षेप**: प्रासंगिक विवरणों को अस्पष्ट करते हुए कुछ सूचनाओं को उजागर करके उपयोगकर्ताओं को गुमराह करने के लिए यूआई तत्वों में बदलाव करना।
- **बेट & स्विच (Bait and Switch)**: भ्रामक रूप से विज्ञापन करना लेकिन उपयोगकर्ता की गतिविधियों के आधार पर अलग परिणाम दिखाना।
- **ड्रिप मूल्य निर्धारण**: उपयोगकर्ता के लिए उनके कार्यानुभव के दौरान मूल तत्वों को छिपाना या संशोधित कर प्रकट करना।
- **प्रच्छन्न विज्ञापन**: विज्ञापनों को उपयोगकर्ता-जनित सामग्री, समाचार लेख या गलत जानकारी के रूप में प्रस्तुत करना।
- **छिद्रान्वेषी (Nagging)**: लेन-देन के दौरान उपयोगकर्ताओं पर अनुचित अनुरोधों, सूचनाओं या रुकावटों का अधिभार डालना।

आत्मसम्मान विवाह ('Self-Respect' marriages)

संदर्भ: हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने कहा, कि हिंदू विवाह अधिनियम, 1955 की धारा 7 (ए) के तहत 'आत्मसम्मान' विवाह (सुयमरियाथाई या सेरथिरुथा विवाह) के लिए सार्वजनिक समारोहों या घोषणाओं की आवश्यकता नहीं है।

'आत्मसम्मान' विवाह क्या हैं?

- 1968 में, हिंदू विवाह (तमिलनाडु संशोधन) अधिनियम, 1967 अधिनियमित किया गया, जिसमें 1955 के हिंदू विवाह अधिनियम में धारा 7-ए को शामिल कर **'आत्मसम्मान' विवाह'** की अवधारणा लाई गई।
- धारा 7-ए ने न्यूनतम विवाह आयु आवश्यकताओं को पूरा करने वाले हिंदुओं के बीच आत्म-सम्मान और धर्मनिरपेक्ष विवाह को वैध बना दिया, जिससे उनका पंजीकरण अनिवार्य हो गया।
- ये विवाह आम तौर पर पुजारियों या पारंपरिक विवाह अनुष्ठानों जैसे पवित्र अग्नि या मंगलसूत्र के बिना होते हैं और अक्सर परिवार और दोस्तों द्वारा संपन्न कराए जाते हैं।
- इन विवाहों का प्राथमिक उद्देश्य जाति प्रथाओं को खत्म करना और समानता को बढ़ावा देना है।
- 1920 के दशक में शुरू हुआ, आत्मसम्मान विवाह तमिल समाज सुधारक पेरियार के नेतृत्व वाले आत्मसम्मान आंदोलन से जुड़ा हुआ है। उनका उद्देश्य सम्मान और गरिमा के आधार पर अंतरजातीय विवाह को प्रोत्साहित करना है।
- ये विवाह पितृसत्तात्मक मानदंडों और स्वामित्व की धारणाओं को चुनौती देते हैं साथ ही समानता और साहचर्य पर जोर देते हैं।
- अपने अन्य महत्व के बावजूद, आत्मसम्मान विवाह का दायरा सीमित है, जो केवल हिंदू विवाह अधिनियम के तहत हिंदू समारोहों के लिए लागू होता है और कानूनी रूप से केवल तमिलनाडु राज्य में मान्यता प्राप्त है।

उच्चतम न्यायालय का निर्णय:

- सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया कि आत्मसम्मान विवाह के लिए सार्वजनिक अनुष्ठान या घोषणा की आवश्यकता नहीं है।
- इसने एस. बालकृष्णन पांडियन मामले में मद्रास उच्च न्यायालय के फैसले को खारिज कर दिया और एस. नागलिंगम बनाम शिवगामी में अपने 2001 के फैसले का हवाला दिया, जिसने हिंदू विवाह अधिनियम (तमिलनाडु राज्य संशोधन) की धारा 7-ए को बरकरार रखा था।
- न्यायालय ने इस बात पर प्रकाश डाला कि वैवाहिक जोड़े माता-पिता के दबाव के कारण सार्वजनिक घोषणाओं से बच सकते हैं।
- उच्च न्यायालय की टिप्पणियों को संविधान के अनुच्छेद 21 (जीवन का अधिकार) का उल्लंघन माना गया, क्योंकि वे वयस्क व्यक्तियों की स्वतंत्र इच्छा में बाधा डालते थे।
- खंडपीठ ने स्पष्ट किया कि अधिवक्ताओं को अपनी आधिकारिक क्षमता में ऐसे विवाह नहीं कराने चाहिए, लेकिन वे अपनी व्यक्तिगत गवाह के रूप में ऐसा कर सकते हैं।
- न्यायालय ने ऐसे मामलों में बंदी प्रत्यक्षीकरण की भी अनुमति दी है।

आत्मसम्मान आंदोलन

- 1925 में तमिलनाडु में ई.वी. रामास्वामी नायकर द्वारा शुरू किया गया आत्मसम्मान आंदोलन, का उद्देश्य मौजूदा हिंदू सामाजिक व्यवस्था को खत्म करना था।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

- इसने ब्राह्मणवादी प्रभुत्व को तोड़ने, हाशिये पर पड़े समुदायों और महिलाओं के लिए समान अधिकारों की वकालत करने और द्रविड़ भाषाओं को पुनर्जीवित करने जैसे आदर्शों को बढ़ावा दिया।

उद्देश्य:

- सामाजिक पदानुक्रम को समाप्त करना जहां एक वर्ग दूसरों पर श्रेष्ठता का दावा करता है।
- समुदायों की परवाह किए बिना सभी के लिए समान अवसर और महिलाओं के लिए समान कानूनी स्थिति सुनिश्चित करना।
- अस्पृश्यता को समाप्त करना और भाईचारे पर आधारित एकता को बढ़ावा देना।
- सभी के बीच स्वाभाविक मित्रता और भाईचारा को बढ़ावा देना।
- अनाथालयों, विधवाओं के लिए घरों और शैक्षणिक संस्थानों की स्थापना करना।
- नए मंदिरों, मठों और वैदिक विद्यालयों के निर्माण को हतोत्साहित करना, जातिगत उपाधियों को समाप्त करना और बेरोजगारों के लिए शिक्षा एवं रोजगार के अवसरों के लिए सार्वजनिक धन का उपयोग करना।

हीट इंडेक्स (ताप सूचकांक)

संदर्भ: ईरान ने अपने तटीय क्षेत्र में 70 डिग्री सेल्सियस का प्रचंड ताप अनुभव किया, यह एक ऐसा स्तर है जहां जीवित रहना लगभग असंभव होता है।

- इस वर्ष ईरान में कई बार भीषण गर्मी पड़ी है।
- विगत जुलाई में, अमेरिका स्थित मौसम पर्यवेक्षक कॉलिन मैक्कार्थी ने भी फारस की खाड़ी हवाई अड्डे पर 66.7 डिग्री सेल्सियस का ताप अनुभव किया था।
- ताप सूचकांक, या स्पष्ट तापमान, यह मापता है कि मनुष्य तापमान को किस प्रकार महसूस करता है। यह हवा के तापमान को ध्यान में रखता है और सापेक्ष आर्द्रता से काफी प्रभावित होता है।

ताप सूचकांक की गणना:

- कोलोराडो स्टेट यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर डॉ. रॉबर्ट स्टीडमैन ने 1979 में ताप सूचकांक की गणना के लिए एक जटिल सूत्र विकसित किया था। उन्होंने अपनी गणना में हवा के तापमान, सापेक्ष आर्द्रता और ओस बिंदु जैसे कारकों पर विचार किया।
- डॉ. स्टीडमैन के शोध में विशिष्ट ऊंचाई और वजन माप के साथ एक "**सामान्य वयस्क मानव**" जैसे कारक शामिल थे।
- **ओसांक**, वह तापमान है, जिस पर हवा तरल अवस्था में बदल जाती है साथ ही ताप सूचकांक गणना में एक महत्वपूर्ण कारक है, यह दर्शाता है कि हवा अब नमी धारण नहीं कर सकती है, जिससे पानी की बूंदें बनती हैं।
- डॉ. स्टीडमैन ने अपनी गणना में 14°C के ओस बिंदु का उपयोग किया था।
- कनाडा जैसे कुछ देशों का अपना ताप सूचकांक माप होता है। इसके लिए कनाडा **ह्यूमिडेक्स प्रणाली** उपयोग करता है।
- अमेरिकी राष्ट्रीय मौसम सेवा (NWS) ताप सूचकांक निर्धारित करने के लिए एक विशिष्ट चार्ट का उपयोग करती है।
- वर्ष 2024 में, भारत भी अपनी आबादी पर गर्मी के प्रभाव का आकलन करने और विशिष्ट क्षेत्रों के लिए प्रभाव-आधारित हीट वेव अलर्ट जारी करने के लिए अपना स्वयं का हीट इंडेक्स लॉन्च करने की योजना बना रहा है।

ताप सूचकांक मापन का महत्व:

- गर्म हवा ठंडी हवा की तुलना में अधिक नमी धारण कर सकती है, जिससे तापमान बढ़ने पर ताप सूचकांक का मान बढ़ जाता है।
- गर्मी की लहरों के दौरान उच्च आर्द्रता के परिणामस्वरूप उच्च ताप सूचकांक दर्शाता है क्योंकि आर्द्र हवा मनुष्यों को अधिक गर्म लगती है।
- उच्च आर्द्रता से तनाव हो सकता है, जिसके लक्षणों में हृदय गति में वृद्धि और गर्मी से संबंधित समस्याएं शामिल हैं, अगर ध्यान न दिया जाए तो यह संभावित रूप से घातक हो सकती है।
- जब आर्द्रता अधिक होती है, तो शरीर के लिए पसीने और वाष्पीकरण के माध्यम से गर्मी से निजात पाना कठिन होता है, जिससे ताप सूचकांक हवा के तापमान की तुलना में अधिक उपयोगी उपाय बन जाता है।
- उदाहरण के लिए, 40% आर्द्रता के साथ 31°C (88°F) के तापमान पर सावधानी की आवश्यकता होती है, जबकि 95% आर्द्रता पर; शरीर में ऐंठन, थकावट या यहां तक कि हीट स्ट्रोक भी हो सकता है।
- 67°C या उससे अधिक का ताप सूचकांक लंबे समय तक संपर्क में रहने वाले लोगों और जानवरों के लिए बेहद खतरनाक है।
- जलवायु परिवर्तन से अत्यधिक गर्मी की स्थिति आने की उम्मीद है, जिसके लिए प्रारंभिक चेतावनी, कार्य अनुसूची समायोजन और सतत शीतलन समाधान की आवश्यकता होगी।

NEWS IN BETWEEN THE LINES

इडुक्की बांध

स्थान : इडुक्की बांध पेरियार नदी पर केरल के इडुक्की में एक दोहरा वक्रता वाला आर्क बांध है।

- यह 168.91 मीटर की ऊंचाई के साथ एशिया के सबसे ऊंचे आर्च बांधों में से एक है।

स्वामित्व और उद्देश्य:

- केरल राज्य विद्युत बोर्ड के स्वामित्व में, यह 1975 से मूलमट्टम में 780 मेगावाट के जलविद्युत स्टेशन को बिजली प्रदान करता है।

बांध का प्रकार: यह एक ठोस, दोहरी वक्रता वाला परवलयिक, पतला चाप बांध है।

संबद्ध बांध: चेरुथोनी और कुलमावु बांध

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि:

- 1919 में प्रस्तावित, 1922 में एक आदिवासी नेता के सुझाव के बाद निर्माण शुरू किया गया।
- औपचारिक परियोजना योजना 1960 के दशक में शुरू हुई।

निर्माण: निर्माण कार्य कनाडा के सहयोग से 1969 में शुरू हुआ, 1976 में पूरा हुआ।

पेरियार नदी के बारे में:

- पेरियार नदी भारत के दक्षिणी भाग में स्थित केरल राज्य की सबसे लंबी और बारहमासी नदी है।
- यह पश्चिमी घाट की शिवगिरि पहाड़ियों से निकलती है, जो दक्षिण भारत में एक पर्वत श्रृंखला है और अरब सागर में गिरती है।

प्रमुख सहायक नदियाँ: मुथिरापुझा, मुल्लायार, चेरुथोनी, पेरिंजनकुट्टी और एडमाला नदियाँ।

भितरकनिका राष्ट्रीय उद्यान

स्थान: भितरकनिका राष्ट्रीय उद्यान, ओडिशा के पूर्वोत्तर केंद्रपाड़ा जिले में स्थित है, जो 145 वर्ग किमी क्षेत्र में फैला हुआ है।

रामसर साइट:

- इसे 1998 में राष्ट्रीय उद्यान घोषित किया गया।
- इसे रामसर स्थल का दर्जा 2002 में प्राप्त हुआ,यह चिल्का झील के बाद यह ओडिशा का दूसरा रामसर स्थल है।

नदी का प्रभाव: यहाँ ब्राह्मणी, बैतरणी, धामरा और पाठशाला नदियों से बाढ़ आती है।

मैंग्रोव पारिस्थितिकी तंत्र:

- यह भारत का दूसरा सबसे बड़ा मैंग्रोव पारिस्थितिकी तंत्र है।
- मैंग्रोव समृद्ध जैव विविधता का समर्थन करते हैं और ज्वारीय उतार-चढ़ाव के अनुकूल होते हैं।

विविध जीव: यह खारे पानी के मगरमच्छ, भारतीय अजगर, ब्लैक आइबिस, जंगली सूअर, रीसस बंदर आदि का वास स्थल।

एविफ़ुना प्रचुरता:

- यह आठ किंगफिशर किस्मों सहित 320 पक्षी प्रजातियों की मेजबानी करता है।
- यह शीतकालीन पर्यटकों और मानसून के मौसम में घोंसले बनाने वाले पक्षियों को आकर्षित करता है।

मानव जैसा भ्रूण मॉडल

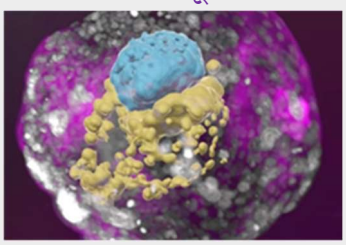

भ्रूण मॉडल विकास:

- वीज़मैन इंस्टीट्यूट के वैज्ञानिकों ने 14 दिन पुराने मानव भ्रूण जैसा एक भ्रूण मॉडल बनाया है।
- यह मॉडल शुक्राणु, अंडाणु या गर्भाशय के बिना स्टेम कोशिकाओं का उपयोग कर के बनाया गया है।

भ्रूण मॉडल का उद्देश्य: भ्रूण मॉडल प्रारंभिक मानव जीवन का अध्ययन करने का एक नैतिक तरीका प्रदान करते हैं।

प्राकृतिक विकास की नकल:

- स्टेम कोशिकाएं शुक्राणु और अंडाणु का स्थान लेती हैं, जिन्हें आवश्यक भ्रूण कोशिकों में पुन: प्रवेश कराया जाता है।

चार कोशिका प्रकार विकसित होते हैं: एपिब्लास्ट, ट्रोफोब्लास्ट, हाइपोब्लास्ट और एक्स्ट्राएम्ब्रायोनिक मेसोडर्म।

मानव-सदृश भ्रूण मॉडल में सहज संयोजन:

- कोशिका मिश्रण का लगभग 1% बाहरी हस्तक्षेप के बिना मानव भ्रूण जैसी संरचना में एकत्रित हो जाता है।

नैतिक प्रतिपूर्ति:

- भ्रूण से जुड़ा अनुसंधान कानूनी रूप से जटिल है।
- मॉडल गर्भधारण नहीं कर सकता और नियमन पर सवाल उठाता है।

अनुप्रयोग: कोशिका उद्भव, अंग विकास को समझने में मदद करता है और आईवीएफ की सफलता में सुधार कर सकता है।

ताप सूचकांक

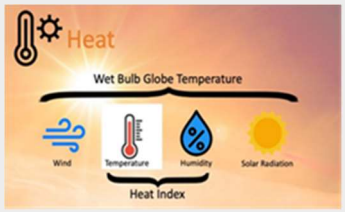

ईरान को अपने तटीय क्षेत्रों में 70 डिग्री सेल्सियस ताप सूचकांक के साथ भीषण गर्मी का सामना करना पड़ा, जिसके कारण 2 और 3 अगस्त को सार्वजनिक अवकाश घोषित करना पड़ा।

हीट इंडेक्स के बारे में:

- ऊष्मा सूचकांक को आभासी तापमान के रूप में भी जाना जाता है जो यह दर्शाता है कि हवा के तापमान और सापेक्ष आर्द्रता पर विचार करते हुए मनुष्य को मौसम कैसा लगता है।
- डॉ. रॉबर्ट स्टीडमैन ने 1979 में ताप सूचकांक की गणना के लिए हवा के तापमान, आर्द्रता और ओस बिंदु को ध्यान में रखते हुए एक सूत्र तैयार किया।
- हीटवेव के दौरान उच्च आर्द्रता गर्मी के तनाव का कारण बन सकती है, हृदय गति बढ़ सकती है और अगर ध्यान न दिया जाए तो गर्मी से थकावट हो सकती है या मृत्यु भी हो सकती है।
- पसीना शरीर को ठंडा करने में मदद करता है, लेकिन उच्च आर्द्रता पसीने के वाष्पीकरण में बाधा डालती है, जिससे गर्मी को सहन करना कठिन हो जाता है।
- ऊष्मा सूचकांक महत्वपूर्ण है क्योंकि यह तापमान और आर्द्रता को सम्बद्ध कर के मनुष्यों पर गर्मी के प्रभाव का अधिक सटीक माप प्रदान करता है।
- अत्यधिक उच्च ताप सूचकांक मान, जैसे 67°C, गंभीर जोखिम पैदा करते हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण अधिक भीषण गर्मी पड़ सकती है।

प्रायोगिक ताप सूचकांक के लिए रंग कोड:

- हरा: प्रायोगिक ताप सूचकांक 35°C से नीचे
- पीला: प्रायोगिक ताप सूचकांक 36-45°C की सीमा में
- नारंगी: 46-55°C की सीमा में प्रायोगिक ताप सूचकांक
- लाल: प्रायोगिक ताप सूचकांक 55°C से अधिक

पोइला बैसाख

पोइला बैसाख क्या है?

- पोइला बैसाख, जिसे पोहेला बोइशाख भी कहा जाता है, बंगाली कैलेंडर का पहला दिन है।
- यह बंगाली हिंदुओं के लिए नए वर्ष की शुरुआत का प्रतीक है और इसे भारतीय राज्य पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश के बंगाली भाषी क्षेत्रों में एक उत्सव के के रूप में मनाया जाता है।

राज्य गान: प्रस्ताव में रवीन्द्रनाथ टैगोर के गीत "बांग्लार माटी बांग्लार जोल" को भी आधिकारिक राज्य गान के रूप में नामित किया गया है।

मुख्यमंत्री का दावा: मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि राज्यपाल की अविकृति के बावजूद, पोइला बैसाख को राज्य दिवस के रूप में मनाया जाएगा।

ऐतिहासिक संदर्भ: पश्चिम बंगाल विधानसभा ने पहले 2018 में एक अलग पहचान की इच्छा पर जोर देते हुए राज्य का नाम बदलकर पश्चिम बंगाल के बजाय "बांग्ला" करने का प्रस्ताव पारित किया था।

पागलपन (Dementia)

के बारे में:

- डिमेंशिया/मनोभ्रंश/पागलपन एक सिंड्रोम है जो दैनिक जीवन में संज्ञानात्मक व्यवधान और मस्तिष्क की कमजोर क्षमता को व्यक्त करता है, जिसमें स्मृति हानि, समस्या-समाधान क्षमता में कमी , भाषा कौशल और संज्ञानात्मक कार्य में रुकावट शामिल हैं।
- भारत में डिमेंशिया तेजी से बढ़ रहा है, एक अनुमान के अनुसार 60 या उससे अधिक उम्र के 9 लाख (900,000) व्यक्ति वर्तमान में इस समस्या से पीड़ित हैं।
- डिमेंशिया की व्यापकता में उल्लेखनीय वृद्धि होने का अनुमान है, जो 2036 तक 1.7 करोड़ (17 मिलियन) मामलों तक पहुंच जाएगी।
- आश्चर्यजनक रूप से, जम्मू और कश्मीर, ओडिशा और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों ने डिमेंशिया की उच्च दर है, जो पहले की उम्मीदों के विपरीत है कि अधिक उम्र बढ़ने वाली आबादी वाले क्षेत्रों में ही इसकी उच्च प्रसार दर होगी।
- विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) डिमेंशिया को वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य प्राथमिकता के रूप में मान्यता देता है।
- इसने 2017 से 2025 तक इस मुद्दे के समाधान के लिए एक वैश्विक कार्य योजना शुरू की है।

समाचारों में स्थान

नैरोबी

हाल ही में नैरोबी में आयोजित अफ्रीका जलवायु शिखर सम्मेलन **2023 'नैरोबी घोषणा पत्र'** जारी करने के साथ संपन्न हुआ है।

स्थान: नैरोबी केन्या की राजधानी और सबसे बड़ा शहर है, जो देश के दक्षिण-मध्य भाग में स्थित है।

नाम उत्पत्ति:

- नैरोबी केन्या की राजधानी है, जिसका नाम नैरोबी नदी के कारण मसाई से "एनकारे नैरोबी" रखा गया है, जिसका अर्थ है 'ठंडे पानी का स्थान'।
- उपनाम: नैरोबी को आमतौर पर "सूरज में हरा शहर" कहा जाता है।

स्थापना और विकास:

- ब्रिटिश पूर्वी अफ्रीका के औपनिवेशिक काल के दौरान युगांडा-केन्या रेलवे पर एक रेल डिपो के रूप में 1899 में स्थापित।
- 1907 में मोम्बासा के स्थान पर नैरोबी केन्या की राजधानी बनी।
- इसे 1963 में स्वतंत्रता प्राप्त करने के बाद आधिकारिक तौर पर केन्या गणराज्य की राजधानी बन गई।

ऐतिहासिक महत्व:

- 1907 में मोम्बासा को केन्या की राजधानी के रूप में प्रतिस्थापित किया गया, बाद में 1963 में यह स्वतंत्र केन्या की राजधानी बन गई।

POINTS TO PONDER

- **औद्योगिक, राजनीतिक, वैज्ञानिक और सैन्य परिवर्तन से चिह्नित युग के दौरान ग्रेट ब्रिटेन और आयरलैंड के यूनाइटेड किंगडम की कौन सी रानी महारानी थी?** - रानी विक्टोरिया
- **सूडान की सबसे ऊँची चोटी कौन सी है?** - डेरिबा काल्डेरा (जेबेल मार्रा पर्वत)
- **हाल ही में किस संगठन ने मरीन सैंड वॉच डेटा प्लेटफॉर्म लॉन्च किया है?** - ग्रिड-जिनेवा
- **मधुमक्खियों के संदर्भ में श्रमिक मधुमक्खियों के बीच संचार के लिए किस तकनीक का उपयोग किया जाता है?** - वैगल नृत्य
- **कौन से दो देश OSOWOG पहल का नेतृत्व कर रहे हैं?** - भारत और ब्रिटेन